मिनोती खौंड

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (वायलिन)

MINOTI KHAUND

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Hindustani Instrumental Music (Violin)

असम के जोरहाट में 26 दिसंबर 1940 को जन्मी, श्रीमती मिनोती खौंड असम की एक अनुभवी वायलिन वादक हैं। आप 60 वर्षों से भी अधिक समय से वायलिन बजा रही हैं। आप उत्तर–पूर्व में, विशेष रूप से ऊपरी और निचले असम में भारतीय शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा दे रही हैं और नई पीढ़ी को संगीत सिखा रही हैं। आप वी. जी. जोग की वरिष्ठ शिष्या हैं और आपने बुद्धदेव दासगुप्ता और ए. टी. कानन से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

वर्ष 1990 से आप भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् की सूचीबद्ध कलाकार हैं। आपने रवीन्द्र सदन, कोलकाता में अमीर खान संगीत सम्मेलन; इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली; राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी, मुंबई; ख्याल ट्रस्ट, मुंबई; संगीत नाटक अकादेमी, दिल्ली; नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स की आईटीसी एसआरए कॉन्सर्ट श्रृंखला; काला घोड़ा महोत्सव, मुंबई; और नेहरू सेंटर, लंदन जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। आप आराधना सामाजिक संगठन और कनक काली संगीत महाविद्यालय जैसी संस्थाओं से जुड़ी रही हैं। आप स्टेट कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड आर्ट में संगीत पाठ्यक्रमों के लिए पैनल परीक्षक हैं। आप पत्र–पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में संगीत स्तंभ भी लिखती हैं।

आपको असम सरकार द्वारा दिए गए शिल्पी पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (वायलिन) में योगदान के लिए श्रीमती मिनोती खौंड को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 26 December 1940 in Jorhat, Assam, Shrimati Minoti Khaund is a veteran violinist from Assam who has been playing the violin for more than 60 years, promoting and teaching Indian classical music in the North-east especially in upper and lower Assam. A senior disciple of V.G. Jog, she has also trained under Buddhadev Dasgupta, and A.T. Kanan.

An ICCR empanelled artist since 1990, she has enthralled the audience in reputed programmes such as Amir Khan Music Conference at Rabindra Sadan, Calcutta; India International Centre; National Gallery of Modern Art, Mumbai; Khayal Trust, Mumbai; Sangeet Natak Akademi; ITC SRA concert series in National Centre for the Performing Arts; Kala Ghoda Festival, Mumbai; and at the Nehru Centre, London. She has been associated with institutions such as the Aradhana Social Organisation and Kanak Kali Sangeet Mahavidyalaya. She is a panel examiner for music courses at the State College of Music and Art. She writes for the music columns in journals and newspapers.

She has been bestowed with several honours such as the Shilpi Award by the Government of Assam.

Shrimati Minoti Khaund receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for her contribution to Hindustani instrumental music.